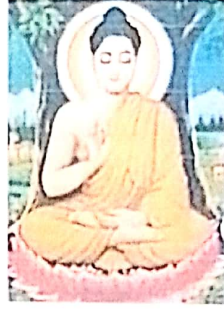


CH.CHARAN SINGH COLLEGE OF EDUCATION & TECHNOLOGY



SADARPUR MEERUT

SESSION- 2022-2024

B.Ed

NAME- Pramod Kumar

CLASS- B.ed Ist Year

FILE NAME- Book Review

ROLL No.- 230562010058

SUBMITTED TO

Mr. B.P. Singh

SUBMITTED BY

Pramod Kumar

CH.CHARAN SINGH UNIVERSITY MEERUT



S. No	Topic	Signature
01.	पुरतक का नाम रीखा के दार्शनिक एवं समाज-शास्त्रीय परिचर 3 - पुरतक के लेखक सूत्र , पृष्ठ , ISBN नुंरक	
02.	महत्वपूर्ण अध्याय (संकाण) विशेषताएं , समाज सुधार	
03.	कम्प्यूटर रीखा	
04.	वाणिज्य रीखा	
	समाकालीन भारत और रीखा	
05.	हिंदी भाषा	
06.	अंग्रेजी भाषा	
07.	पाठ्यवस्तु विश्लेषण , सामर्थ्यता आदि	

Acknowledgement

I would like to express my special thanks to my teacher who gave me the golden opportunity to do this wonderful project who helped me in completing my project. I am really thankful to them. I would like to thank my parents and co-student who helped me a lot in finalizing this project which I'm limited time for me.

S.N.O	Topic	Signature
01	दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय परिदृष्टि वाणीकरा शिक्षण समाकालीन भारत और शिक्षा आधुनिकता के रूप में विकास शिक्षक, शिक्षक एवं तकनीकी आवृत्ति की डिजाइन नई शिक्षा नीति 1986 राष्ट्रीय स्तर पर प्रौद्योगिकी का वन शक्तिमान / गल्ले सन्ध्या वलन्डा	

पुस्तक का नाम

श्रीदा के दार्शनिक समाजशास्त्र
परिचर

पुस्तक के लेखक :-

पुस्तक का नाम - लेखक , प्रकाशन , प्रकाशन,
का नाम वर्ष , सम्पादन , मूल्य , पृष्ठ संख्या

ISBN

श्रीदा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय,
परिचर , श्रीदामाता पत्रिका , पूर्ण
सुधादा श्रीदा संस्कार एवं शोधक
श्रीदा केन्द्र , जे.पी. नौन कालेज
सहस्रनाम , या. चरण सिंह विश्वविद्यालय
मैरठ , विरार संस्कार 2017

मूल्य :-

275, 00

पृष्ठ :-

479

ISBN :-

978-93-85282-35-5

मुद्रक :-

राष्ट्र प्रिन्टर

मुद्रक प्रकट :-

अस्तुत पादरा पुस्तक शीघ्रा के पार्श्विक
एवं समालोचनास्तोरा पारिच्छा का मुद्रक
प्रकट पादरा - पुस्तक रंग समालोचित है,
समस्या प्रयोग किया गया रंग गहरा
एवं स्पष्ट है पुस्तक का शीर्षिक
हिन्दी भाषा में लिखा है, मुद्रक
प्रकट पर विद्यार्थियों का चित्र लगा
है व नीचे लेखक गण का नाम
लिखित है रंग के अतिरिक्त भारतीय
संस्कृति के प्रकाशना रंग समालोचित है,
समालोचित जानकारी भी मुद्रित है,

लेखक के विवर :-

इस पुस्तक के लेखक श्री. गिरिश
फोरी है, श्री. गिरिश पंचोरी एवं
अध्यापक श्री. शीघ्रा संकाय के पार्श्विक
रह चुके हैं, एवं शीघ्रा शीघ्रा
केन्द्र के. वि. जे. कॉलेज, सहारनपुर
की चरणा सिंह विरवाही छालरा मीरठ

मीरठ में रह चुके हैं,

पादरा वस्तु विश्लेषण :-

राह पुस्तक की ० एड पादरापुस्तक के
 अनुसार लिखी गई है, जो कि
 विश्व विद्यालय अनुदान आयोग द्वारा
 सवीकृत पुस्तक की पादराकर्म की ० एड
 के पादराकर्म की संपादक करती है,
 पादरावस्तु ०५ अध्यायों में विभाजित है,

अध्याय :-

शिक्षा जिसे सफलता एवं
 प्रकार शिक्षा के स्यादान / उद्देश्य
 विधियाँ एवं अनुशासन के सन्दर्भ में
 समझा महत्व

आदर्शवाद

प्रकृतिवाद

सर्वाधिक

व्यापकतावाद

आदर्शवाद, प्रकृतिवाद, स्यादानवाद, जैसे सर्वाधिक
 अध्याय

मानवाद

सांस्कृतिक दर्शन

सौभाग्य

सिद्धि

दर्शन

शौक्षिक

समाजशास्त्र

गिरि

एवं

प्रकृति

बालक

का

समाजीकरण

शिक्षा

समाजीक

परिवर्तन

के साधन

के रूप में

शिक्षा

आर्थिक

विकास

के साधन

के रूप में

नव

समाजीक

व्यवस्था

शिक्षा

आधुनिकरण

के साधन

के रूप में

महत्मा

गाँधी

श्री

जि.वि.सु.

स्वामी

विवेकानन्द

जी.

कृष्णामूर्ति

गिरि

बार्

स्वामी

विवेकानन्द

जि.सु.

सुकराल

प्लेटा

सुखा

जॉन

- तुपई

फुडरिक

फावल

लाकतुंग

जि.सु.

श्री

शान्त

नीरपेक्षा

और

श्री

महत्वपूर्ण अध्याय / प्रकरण

विद्यमान भारतीय समाज में शिक्षक पुस्तक में सार अध्याय की एक पाठ्यक्रम के लिए उपयोगी है, यह महत्वपूर्ण व आवश्यक प्रकरण है पुस्तक है

महत्वपूर्ण अध्याय

शिक्षा अर्थ प्रकृति एवं प्रकार

अध्याय हमें शिक्षा क्या है, इस का स्वरूप क्या है, व इसके अन्तर्गत प्रकार कोना है, यह है, परिचित करता है

आदर्शवाद

यह अध्याय हमें आदर्शवाद क्या है, इसका स्वरूप क्या है, गुणिका समाज शिक्षा के क्षेत्र में क्या क्या पड़ा है, यह अध्याय

यह आदर्शवाद से परिचित करता है।

महाना गांधी =

यह अहमदाबाद गांधी जी कि शिखार
करा है। दोनका सवाल उन महानशिदकी
तथा जेपदेश का नाव ज्योती
सदाना की है।

सामाजिक =

जो ० लाल
एक डिवा द्वारा
प्रकाशित यह पुस्तक जेपमान भारतीय शिक्षा
के दशानिक जी. एड भारतीय संस्कृति
पर आधारित है। जिसकी उपलब्धता
सचुर माला भारतीय संस्कृति पर आधारित
है। जिसकी उपलब्धता सचुर माला में
नहीं है। पाली है, सगका दुखरा की
अधिक है। जो कि बहुत से
छात्रा की पढ़ाई से बाहर है। सग
पर अहमदाबाद ज्योति पत्रिका की है।

विरीजताएँ =>

- वन पाठ्यापुस्तक में पाठ्यावरुत को विस्तृत रूप में समझाया गया है, पाठ्यापुस्तक में लेखक सपट तथा सरल है
- पाठ्यापुस्तक को हमारी शिक्षा पद्धति का सपट करनी का प्रसारण किया गया है,

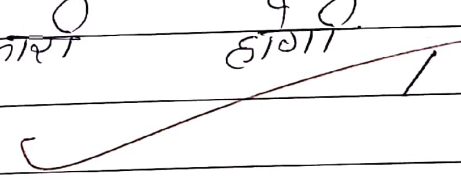
सीमारी =>

- प्रस्तुत पाठ्यापुस्तक में पाठ्यावरुत को अधिक विस्तृत कर दिया जा कई बार समझने में परेशानी का कारण बन जाता है,
- पाठ्यापुस्तक में कठिन शब्दावली का प्रयोग किया जाता है,
- पाठ्यापुस्तक में अक्षरों को खड़ी में विभाजित करके नहीं प्रस्तुत किया गया है,
- खड़ी में विभक्त पाठ्यावरुत अक्षरान में सुविधा जनक होता है,



21/5/19

- पुरतक का सुहरा सठ और जिदीक
जिदीक का सक्कावशाली होना चाहिए,
पादयपुरतक का रगदिल में बलाया जाना
चाहिए जिस रग रीशकी व धांती
का बाधागरा सरलता रग दे रगक,
पादयपुरतक का सुहरा कम होना
चाहिए, गिनार राह रगक सुलभा
हा रगक
• पादयपुरतक में हसुक्त पादयपुरतक
सुलभा में विष्काक्त होना चाहिए
जा लाभाकारा होगा



पुस्तक का नाम

वाणीदय शिखा

पुस्तक के लेखक :-

डा० सुरेश चंद्र [पुस्तक के नाम ,
लेखक , संपादन का स्थान , संपादन
का नाम संपादक वर्ष , सम्पादक , मूल्य

ISBN]

वाणीदय शिखा डा० सुरेश चंद्र , बंगल , गाँधी
संस्कृत ग्रंथ प्रकाशन छात्र प्रकाशन
महाराष्ट्र , डॉक्टर पब्लिशिंग संस्कृत

लच्छनजि : 22601

संस्कृत = 22016

ISBN - 978-93-5163-716-5

मूल्य = 320

द्वारा = 195

लेखक = डॉक्टर पब्लिशिंग

पुर-तक पाठ्य वाणिज्य शिक्षण का सामान
 पाठ्यक्रम-तु वी० एड एन सम्बन्धित
 है, इसका रंग गहरा और रंगहीन है
 रंग के फुल्ल पर चौधरी
 चरण सिंह धानवीरगढ़ी का स्तीकर
 लगा है,

लेखक के बारे में :-

इस पुर-तक के लेखक वी० एड एन वी० एड
 है, वी० एड एन वी० एड हिन्दी एवं शिक्षा
 शास्त्र एम, एम वी० एड, एम ए हिन्दी
 अनुवाद एवं भाषाशास्त्र शास्त्र प्राचार्य
 गाँधी स्मृति स्मृति स्मृति स्मृति स्मृति
 स्मृति स्मृति स्मृति स्मृति स्मृति

पाठ्यक्रम-तु विश्लेषण :-

इस पुर-तक वी० एड पाठ्यक्रम के
 अनुसार लिखी हुई है, जो कि

कि विश्वाद्यधारा जिनुयाना द्वारा रचिह्व
 की पाठ्यवस्तु को एड के पाठ्यक्रम
 को स्पष्ट करती है, पाठ्यवस्तु
 में आधार है,

अध्याय :- 1

- एक विषय के रूप में वाणिज्य का
 उद्देश्य एवं महत्व
- वाणिज्य शिक्षा
- वाणिज्य शिक्षा की उद्देश्य
- शिक्षण उद्देश्यों की वर्गीकरण
- शिक्षण उद्देश्यों का व्यावहारिक रूप,

Unit 2 :-

शिक्षण की विधियाँ
 वाणिज्य शिक्षण की शिक्षण विधियाँ,
 पुस्तकपालन
 पुस्तकपालन शिक्षण के उपागम

Unit 3 :-
 वाणिज्य शिक्षण की विधियाँ

व्यापार शिखण पद्धति
 वाणिज्य शिखण की सविधियाँ,
 मरना सविधियाँ
 सदस्य सविधि,
 अन्य सविधियाँ,
 वाणिज्य कक्षा /

Unit 2: 4

वाणिज्य की पाठ्यचर्या
 वाणिज्य शिखण में सहा सम्बन्ध
 वाणिज्य साधना
 पाठ साधना
 रकोर साधना

Unit 5: 5

मापन
 वाणिज्य शिखण में सुलयांकन /
 परिष्कार की विधियाँ /
 उपचार्य परिष्कार /
 निदानात्मक परिष्कार /
 उपचारात्मक परिष्कार /

Teacher's Signature.....

JCH
INDIA Designer

Teacher's Signature.....

महत्वपूर्ण जिंदगीय प्रश्न

वाणिज्य शीघ्रता के संरक्षण

मानव का विकास आर्थिक विकास के आधार पर है, प्राचीन काल से लेकर आज तक मनुष्य के विकास का मुख्य आधार धन ही रहा है,

सूक्ष्म-शीघ्रता सूचना एवं पर्यवेक्षण तकनीकें :-

सूक्ष्म आर्थिक तकनीकी द्वारा कोषाल के विकास की बात आवश्यक है और महत्वपूर्ण समीचीन है, किन्तु निष्पुणता से समझा रहा है,

वाणिज्य की पाठ्यचर्या :-

पाठ्यचर्या वह है जो कि शिक्षार्थी को पढ़ाया जाता है वह सीखना एवं शक्तिपूर्ण पढ़ने से ज्यादा है,

Teacher's Signature.....

JCH
DIGITAL Designer

Teacher's Signature.....

JCH
DIGITAL Designer

Wrinda

Topic

Date

20

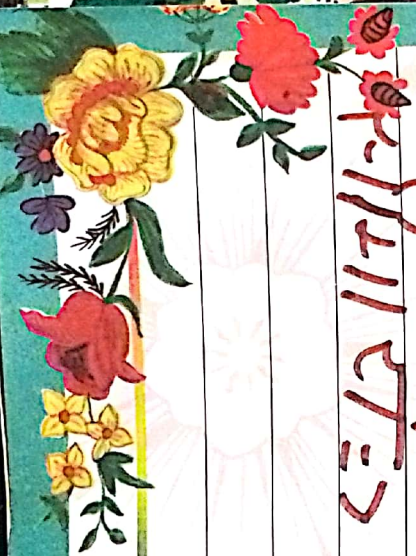
उपनादिष्टा चरित्रम् =)

इस ओझा के माहयग रने राहना
उपना है कि रोहासी ने रोहासी
ओहायग के पन्नाल कोरने हमार
राहना रा ओजुवाय का ओहाल
लेना है,

विश्वविद्यालय =)

- इस कुलक ने पाठ्यारण का लेखन
रहा रने राजासारा राहा है,
- इस कुलक ने पाठ्यारण का अन्तिम
ने व्यापार अन्तिम ने रखा है,
पाठ्यारणक ने लेखक रपावत राहा
रपावत है,
- इस का सब अद्वित ओकायक है इस
के पारल गाथा का सल्लाह लेना
असा है,

रूपरेखा =)



Teachers Signature.....

Designs

Vrinda Topic

Date

20

ପ୍ରାଥମିକ

ପ୍ରାଥମିକ ପାଠ୍ୟ ପୁସ୍ତକ ପ୍ରାଥମିକ ପାଠ୍ୟ ପୁସ୍ତକ
ପ୍ରାଥମିକ ପାଠ୍ୟ ପୁସ୍ତକ ପ୍ରାଥମିକ ପାଠ୍ୟ ପୁସ୍ତକ

ପ୍ରାଥମିକ ପାଠ୍ୟ ପୁସ୍ତକ ପ୍ରାଥମିକ ପାଠ୍ୟ ପୁସ୍ତକ
ପ୍ରାଥମିକ ପାଠ୍ୟ ପୁସ୍ତକ ପ୍ରାଥମିକ ପାଠ୍ୟ ପୁସ୍ତକ



Subject Topic

Date

20

21

ପାଠ୍ୟପୁସ୍ତକ ବିବରଣ୍ୟ

ପଞ୍ଜାବୀ ଭାଷାରେ ଗ୍ରନ୍ଥର ନାମ ଓ ପ୍ରକାର
ଏହା ପାଠ୍ୟପୁସ୍ତକ ହେଉଛି ଶିକ୍ଷା ପ୍ରଦାନ
ପ୍ରାଥମିକ ଓ ମଧ୍ୟମ ଶିକ୍ଷା ପ୍ରଦାନ
ଏହା ପାଠ୍ୟପୁସ୍ତକ ହେଉଛି ଶିକ୍ଷା ପ୍ରଦାନ
ପ୍ରାଥମିକ ଓ ମଧ୍ୟମ ଶିକ୍ଷା ପ୍ରଦାନ

ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା

ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା
ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା
ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା
ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା

ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା

ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା
ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା
ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା
ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା
ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା
ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା
ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା
ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା

ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା

ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା
ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା
ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା
ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା
ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା
ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା
ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା
ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା

Teacher's Signature.....



Scanned with OKEN Scanner

ਵਾਪਸੀ ਭੀੜ ਖਿਲਾ 2 ਯਾਤਰੀ ਖਿਲਾ 3

1964 - 66 ਵਾਪਸੀ ਜਾਲ 1986

ਘੋਰ ੫੩

ਖ਼ਾਸ਼ਾਨਕ ਭੀੜ ਅਤੇ ਵਾਪਸੀਆਂ,
 ਵਾਪਸੀ ਭੀੜਾਂ ਤਿਆਰ,
 ਵਾਪਸੀ ਖ਼ਾਸ਼ਾਨਕ ਵਾਪਸੀ
 ਵਾਪਸੀ ਅਤੇ ਲੋਕ ਸੰਗਠਨਾਂ ਖ਼ਿਲਾਫ਼ ਮਾਮਲੇ,

ਘੋਰ 5:

ਵਾਪਸੀ ਭੀੜਾਂ ਅਤੇ ਖ਼ਾਸ਼ਾਨਕ,
 ਭੀੜਾਂ ਅਤੇ ਵਾਪਸੀਆਂ,
 ਵਾਪਸੀ ਭੀੜਾਂ,

ਵਾਪਸੀ ਖ਼ਿਲਾਫ਼

ਵਾਪਸੀ = 1) ਵਾਪਸੀਆਂ, ਖ਼ਾਸ਼ਾਨਕ ਖ਼ਿਲਾਫ਼
 ਵਾਪਸੀਆਂ, ਵਾਪਸੀਆਂ, ਵਾਪਸੀਆਂ
 ਵਾਪਸੀਆਂ, ਵਾਪਸੀਆਂ, ਵਾਪਸੀਆਂ
 ਵਾਪਸੀਆਂ, ਵਾਪਸੀਆਂ, ਵਾਪਸੀਆਂ

વાલ્દોરા શાળા શિશુઓના જીવનમાં શિશુઓ

1964 - 66 વાલ્દોરા શાળા

1986

કાર્ય ૫૩)

શાલ્યાનાથ શાળા અને સ્વાધ્યાયશાળાઓ,
સ્વાધ્યાય શાળા, શાલ્યાનાથ શાળા,
શાલ્યાનાથ શાળા, શાલ્યાનાથ શાળા,
સ્વાધ્યાય અને શિવ સ્વાધ્યાય શાળાઓ,

કાર્ય 5:

- શાલ્યાનાથ શાળા અને શાલ્યાનાથ શાળા
- શાલ્યાનાથ શાળા અને શાલ્યાનાથ શાળા
- શાલ્યાનાથ શાળા અને શાલ્યાનાથ શાળા

શાલ્યાનાથ શાળા

શાલ્યાનાથ શાળા અને શાલ્યાનાથ શાળા
શાલ્યાનાથ શાળા અને શાલ્યાનાથ શાળા
શાલ્યાનાથ શાળા અને શાલ્યાનાથ શાળા
શાલ્યાનાથ શાળા અને શાલ્યાનાથ શાળા



सामयिक Topic

Date

20

23

हम लोग को बहुत ही प्यार है।
हमारे मातापिता हमें बहुत प्यार करते हैं।
हमारे मातापिता हमें बहुत प्यार करते हैं।

• वीरक काली-त वीरक :-

हम लोग को बहुत प्यार है।
हमारे मातापिता हमें बहुत प्यार करते हैं।
हमारे मातापिता हमें बहुत प्यार करते हैं।

• वीरक काली-त वीरक :-

हम लोग को बहुत प्यार है।
हमारे मातापिता हमें बहुत प्यार करते हैं।
हमारे मातापिता हमें बहुत प्यार करते हैं।

• वीरक काली-त वीरक :-

हम लोग को बहुत प्यार है।
हमारे मातापिता हमें बहुत प्यार करते हैं।
हमारे मातापिता हमें बहुत प्यार करते हैं।

Teacher's Signature.....

JKH Designers



Scanned with OKEN Scanner

ଗାୟିକାଧାର୍ଯ୍ୟ ଓ ପଦ୍ଧତି

ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ :-

ପ୍ରଥମ ଓ ଯେକାକ ଗୀତ :-

ଓଠ ଓ ଗାୟିକାଧାର୍ଯ୍ୟ ଓ ଗାୟିକାଧାର୍ଯ୍ୟ

ଧ୍ୟାନାର୍ଥ :- ଗାୟିକାଧାର୍ଯ୍ୟ

ଧ୍ୟାନାର୍ଥ :- ୧୯୦

ଧ୍ୟାନାର୍ଥ :- ୨୦୧୬

ଧ୍ୟାନାର୍ଥ :- ୬

ଧ୍ୟାନାର୍ଥ :- ୧୯୧୬

ଧ୍ୟାନାର୍ଥ :- ୧୯୧୬

ISBN No : ୯୭୮-୯୩-୯୫୨୭୭-୩୦-୦

Teacher's Signature

આવિન્ય કમી ઉડ્ડિન્ટ

પ્રમાણ કે પેટા કમી નામ

કે ૫૧૦૮૦૫૧૦૦૦૦
કે ૫૧૦૮૦૫૧૦૦૦૦

પ્રમાણ કે ૫૧ પ્રમાણ પ્રમાણ, નામ કે ૫૧૦૮૦૫૧૦૦૦૦

પ્રમાણ કે ૫૧

૨૦૧૭

પ્રમાણ કે ૫૧

૨૦૦૦,૦૦ પ્રમાણ

૧૫૧૧૧૦૦૦

૫૭૮-૫૩-૫૧૮૬ - ૫૧૧૧-૩

પ્રમાણ કે ૫૧

૧૮૨

[illegible]

Wrinda

Topic

Date

20

3

ମାଝି ସିନିଆ ମାଝି ମାଝି

ସମାବେଶ :-

ଆମର ସମାବେଶ ଆଗାମୀ
ବାର ସ୍ୱାଗତ୍ୟ ଲାଗୁ କରାଯିବ ।
ମାଝି ମାଝି

ବର୍ଷ :- ମାଝି - 1986

ସମାବେଶ :- ମାଝି ସାମାଜିକ କାଝି

ସିନିଆ ମାଝି :-

ମାଝି ମାଝି ମାଝି ମାଝି
ମାଝି ମାଝି ମାଝି ମାଝି

Teacher's Signature

JCH
Designs

१. विद्याविद्यालय में शिक्षा-दान को प्राप्त करने के लिए पढ़ाई करना आवश्यक है।
 २. शिक्षा के माध्यम से हम अपने जीवन में बदलाव ला सकते हैं।
 ३. शिक्षा हमें दूसरों से अलग करता है।
 ४. शिक्षा हमें अपने जीवन में सफलता दिलाती है।
 ५. शिक्षा हमें अपने जीवन में सफलता दिलाती है।
 ६. शिक्षा हमें अपने जीवन में सफलता दिलाती है।
 ७. शिक्षा हमें अपने जीवन में सफलता दिलाती है।
 ८. शिक्षा हमें अपने जीवन में सफलता दिलाती है।
 ९. शिक्षा हमें अपने जीवन में सफलता दिलाती है।
 १०. शिक्षा हमें अपने जीवन में सफलता दिलाती है।

-ई गुरुदास जीने धार्मिक विचारों
 का दिल धरी-परा कर दिया है।
 व रचना शिवाजी साम्राज्य की
 पर हलाना किया गया है।
 उद्योग शक्ति की महत्ता शक्ति
 बाल विचार विचारों का
 भाग बाल शक्ति है।

ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା

ସମାପ୍ତ :- ଶିକ୍ଷା କାରୀ ସହାୟକ ସଂପର୍କ

କ୍ଷେତ୍ର :- ସାମାଜିକ ବିଜ୍ଞାନ ବିଭାଗ ,

ସାଙ୍ଗ :- ଶିକ୍ଷକ

ଠିକଣା : ୧୦ - ୫୧୫୦୩୧ (୩୬୩୫)

ଠିକଣା :- ୧୩ - ୨୩୫ - ୫୧୫୦୩୧ (୩୬)

ସ୍ଥଳ ମାଧ୍ୟମ :- ୧୭୬

ମାଧ୍ୟମ :- ୧୨୫ ମାଧ୍ୟମ

દેવશાસ્ત્ર રસી, એક દિવસ માહકાસ છે
 ૧૯/૧૬૨ ની દિવસ કાલ સામદ્યારી રસ
 ૧૫-૧૦૨ હસા તિથા રાસ છે, રાસ

ઉપસારના મહાભાગે કળા એ લાગના પર
 ઉપાદ્યારે છે, ની માહકાસ ની ધિયારી
 નામલ સામદ્યારી કળા ૮ પડે કળા પદ્યારી
 હાગે રાસ, ના ઉપાદ્યારી રસ

રાસ એક વરદાના રસારસ માલે ઉદિયાર રાસ,
 રાસના રસા ઉપાદ્યારીક ગુદિયાર સામદ્યારી
 ની ૧૫-૧૦૨ કળા રસારસી સમાવસાયી
 રસના ઉપાદ્યારી એક છે,

દેવ સામદ્યારી રસને ૧૫-૧૦૨ કળા ની
 ૧૫-૧૦૨ કળા એક નિમ્ન માલ્યારી
 વળાર ૧૯૦૮ વળાર ની વળાર ની
 રાસ, રસારી સમાવસાયી = રસારી

દેવનાર, રસારસી, કળારસી રસારી,
 વળાર ની વળાર ઉપાદ્યારી ઉપાદ્યારી,
 રાસારસી નાલકર, કળારસી ની ઉપાદ્યારી

વળારસી કળા માલના વળાર કળારસી
 કળારસી વળાર કળાર કળાર
 નામલ કળાર કળાર કળાર

વળાર-કળાર રસ વળાર કળાર
 વળાર કળાર

[illegible][illegible]

ગ્રાન્ટ સિસ્ટમના બાંધ

સંચાલક ના નામ :- વીનનાં ચાવડા

સિસ્ટમ ઉપરના વર્ષ :- ૨૦૧૭-૧૮ ના વર્ષના

સંચાલક :- ૧. શ્રી વાલ્મીકીરામ સિંહ,

સંચાલક ૧૮/૦૭/૨૦૧૭ ના

૧૪/૦૭/૨૦૧૭

ISIN :- 987-81, 291-4493-5

પ્રતિબદ્ધ સંદર્ભ :- ૨૦૧૧

પ્રતિબદ્ધ :- ૧૯૫૨/૨૦૧૭

७-१ सविधाना बलि (६३) विधान-१ आक ५॥
 आक ७ सविधान-१ विधान-१ आक ५॥
 आक ७ सविधान-१ विधान-१ आक ५॥
 विधान-१ सविधान-१ विधान-१ आक ५॥





Topic

Date

20

31

24-2 of 24-27

Text - Reading and

21-27 of 21-27

21-27 of 21-27

Text - Reading and

Recitation :-

P. R. Gupta

Intense

Teacher's Signature

